

प्रेषक,

एसओ के० माहेश्वरी,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तरांचल, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग देहरादून दिनांक २४ जनवरी, 2005

विषय: राजीव गांधी नवोदय विद्यालय पौड़ी के निर्माण हेतु
धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी पौड़ी के पत्र संख्या: शि०/38043-44/ रा०न०वि०/2003 दिनांक 28-12-2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय राजीव गांधी नवोदय विद्यालय सन्तुधार पौड़ी के भवन के निर्माण हेतु राजकीय निर्माण निगम, पौड़ी इकाई पौड़ी द्वारा गठित आगणन रु० 1697.61 लाख के सापेक्ष रु० 1313.23 लाख के आगणनों पर वित्तीय एवं प्रशासकीय अनुमोदन प्रदान करते हुए अनुमोदित लागत के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में रु० 100.00 लाख (रुपये एक करोड़ मात्र) की धनराशि को, प्रश्नगत योजना में शारानादेश संख्या: 588/ XXIV-2/2004 दिनांक 27-8-2004 द्वारा आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रु० 800.00 लाख में से व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1). आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

- (2). कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/ मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- (3). कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है। स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (4). एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- (5). कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ, तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/ विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- (6). कार्य करने से पूर्व स्थल का भली भौति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।
- (7). आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (8). निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

2- निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के विवरण प्रत्येक माह की 15 तारीख तक निर्माण संस्था द्वारा विभागाध्यक्ष/ संस्था को उपलब्ध कराये जायेंगे।

3- निर्माण कार्य की गुणवत्ता के लिए कार्यदायी संस्था के संबंधित अभियन्ता उत्तरदायी होंगे।

4- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2003-04 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक " 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा --202-माध्यमिक शिक्षा -16-राजीव गाँधी नवोदय विद्यालय के भवनों का निर्माण-24- वृहत निर्माण कार्य " के नामों डाला जायेगा।

5- यह आदेश वित्त विभागके अशासकीय संख्या- 367/नि.अ.04/05 दिनांक 27/11/05 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
भवदीय,

(एसो के० माहेश्वरी)
अपर सचिव

संख्या: 26 (1)/ XXIV-2/2005 /2005 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी।
- 3- निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी।
- 4- जिलाधिकारी, पौड़ी।
- 5- कोषाधिकारी, पौड़ी।
- 6- मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल-पौड़ी।
- 7- परियोजना प्रबन्धक, राजकीय निर्माण निगम, पौड़ी।
- 8- वित्त विभाग/ नियोजन प्रकोष्ठ।
- 9- कम्प्यूटर सेल(वित्त विभाग)
- ✓ 10- एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव